

उत्तर प्रदेश ने भारत का अगला 'ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर' हब बनने के संकल्प को किया मजबूत

कार्यक्रम में उद्योग जगत के दिग्गजों, नीति-निर्माताओं और वैश्विक कंपनियों के प्रतिनिधि समेत अन्य हुए शामिल

कैलाश टाइम्स संवाददाता।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की नवीन ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर के लिए देश का सबसे पसंदीदा केंद्र बनने की दिशा में राज्य सरकार ने एक बड़ा काम उठाया है। नोएडा में आयोजित 'जीसीसी समिट 2026' के दौरान सरकार ने तकनीक, नवाचार और उद्यम-मूल्य वाले रोजगार को बढ़ावा देने के लिए एक व्यापक रोड मैप पेश किया।

कार्यक्रम में उद्योग जगत के दिग्गजों, नीति-निर्माताओं और वैश्विक कंपनियों के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए उत्तर



प्रदेश सरकार के आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के प्रमुख सचिव आलोक कुमार ने कहा कि राज्य प्रतिस्पर्धी नीतियों, कुशल प्रतिभाओं, विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर और जवाबदेह प्रशासन के जरिए भारत के तेजी से बढ़ते जीसीसी इकोसिस्टम में बढ़ी निवेश योग्यता को बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह तैयार है।

प्रमुख सचिव ने इस बात पर जोर दिया

कि आधुनिक जीसीसी अब केवल पारंपरिक बैंक-आईटीएस ऑफोशंस तक सीमित नहीं हैं, बल्कि ये डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, एंटरप्राइस डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, रिमोट एंड डेवेलपमेंट, प्रोडक्ट इनोवेशन और वैश्विक रणनीतिक फैसलों के मुख्य केंद्र बन चुके हैं। इसी बदलाव को ध्यान में रखते हुए उत्तर प्रदेश सरकार अपनी नीतियों, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और टैलेंट

इकोसिस्टम को लगातार अपडेट कर रही है, ताकि अगली पीढ़ी के वैश्विक तकनीकी निवेश को आकर्षित किया जा सके। यह फल राज्य को 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य को हासिल करने में भी अहम भूमिका निभाएगी।

जीसीसी इकोसिस्टम को और अधिक सशक्त बनाने के लिए राज्य सरकार ब्लूटूथ एक उद्यमस्तरीय 'ब्लूटूथ क्लस्टर कार्यक्रम' का शुभारंभ करेगी। इस ब्लूटूथ में सरकार, उद्योग जगत, शैक्षणिक संस्थानों, इनोवेट यूपी और विकास प्राधिकरणों के प्रतिनिधि शामिल होंगे, जो नीतियों को बेहतर बनाने, अंतर-विभागिक तालमेल बिटाने और निवेशकों को निर्णय प्रक्रिया को तेज करने का काम करेंगे। इसके साथ ही सरकार अपनी स्ट्रैटेजिक नीति को मजबूत करने, डेटा सेंटर इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार, जीन-टेक हब एवं क्यू-हब (डिजिटल) के विकास और उद्योग की जरूरतों

के घुलबिगल कौशल विकास पर विशेष ध्यान दे रही है। नोएडा और ग्रेटर नोएडा के साथ-साथ अब लखनऊ, वाराणसी, आगरा, प्रयागराज और बुंदेलखंड जैसे उभरते शहरों को भी भविष्य के नए जीसीसी हब के रूप में विकसित किया जाएगा।

आलोक कुमार ने राज्य के विभाग को साक्षात् करते हुए कहा, "भारत में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर तेजी से बढ़ रहा है और उत्तर प्रदेश का स्पष्ट लक्ष्य 'देश में स्थापित होने वाले नए जीसीसी (ब्लूटूथ)' में से कम से कम 10 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करना है। हमारी बेहतर नीतियों, विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे, कुशल कार्यबल और नवाचार-अनुकूल माहौल के कारण वैश्विक कंपनियां पूरे भारत के साथ यहां अपने कारोबार का विस्तार कर सकती हैं, जिससे राज्य के युवाओं के लिए उच्च गुणवत्ता वाले रोजगार के अनगिनत अवसर पैदा होंगे।"